प्रतिदर्श प्रश्न पत्र - 3
विषय - हिंदी (आधार) - 302
कक्षा - बारहवीं (2023-24)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

- निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :-
- इस प्रश्न पत्र में खंड 'अ' में वस्तुपरक तथा खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं।
- खंड 'अ' में उप - प्रश्नों सहित 40 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं, सभी 40 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
- खंड 'ब' में 08 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों के उचित आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड अ (वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[10]**

विद्वानों का यह कथन बहुत ठीक है कि विनम्रता के बिना स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं। इस बात को सब लोग मानते हैं कि आत्मसंस्कार के लिए थोड़ी-बहुत मानसिक स्वतंत्रता परमावश्यक है चाहे उस स्वतंत्रता में अभिमान और नम्रता दोनों का मेल हो और चाहे वह नम्रता ही से उत्पन्न हो। यह बात तो निश्चित है कि जो मनुष्य मर्यादापूर्वक जीवन व्यतीत करना चाहता है, उसके लिए वह गुण अनिवार्य है, जिससे आत्मनिर्भरता आती है और जिससे अपने पैरों के बल खड़ा होना आता है। युवा को यह सदा स्मरण रखना चाहिए कि वह बहुत कम बातें जानता है, अपने ही आदर्श से वह बहुत नीचे है और उसकी आकांक्षाएँ उसकी योग्यता से कहीं बढ़ी हुई हैं। उसे इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वह अपने बड़ों का सम्मान करे, छोटों और बराबर वालों से कोमलता का व्यवहार करें, ये बातें आत्ममर्यादा के लिए आवश्यक हैं। यह सारा संसार, जो कुछ हम हैं और जो कुछ हमारा है-हमारा शरीर, हमारी आत्मा, हमारे भोग, हमारे घर और बाहर की दशा, हमारे बहुत से अवगुण और थोड़े गुण सब इसी बात की आवश्यकता प्रकट करते हैं कि हमें अपनी आत्मा को नम्र रखना चाहिए नम्रता से मेंरा अभिप्राय दब्बूपन से नहीं है, जिसके कारण मनुष्य दूसरों का मुँह ताकता है जिससे उसका संकल्प क्षीण और उसकी प्रज्ञा मंद हो जाती है; जिसके कारण वह आगे बढ़ने के समय भी पीछे रहता है और अवसर पड़ने पर चट-पट किसी बात का निर्णय नहीं कर सकता। मनुष्य का बेड़ा उसके अपने ही हाथ में है, उसे वह चाहे जिधर ले जाए। सच्ची आत्मा वही हैं, जो प्रत्येक दशा में, प्रत्येक स्थिति के बीच अपनी राह आप निकालती हैं।

(i) विनम्रता के बिना किसका अर्थ नहीं होता?

i. स्वतंत्रता का

ii. परतंत्रता का

iii. नम्रता का

iv. दासता का

(ii) मानसिक स्वतंत्रता किसके लिए आवश्यक है?

i. मन के लिए
ii. आत्मसंस्कार के लिए
iii. नम्रता के लिए
iv. दब्बूपन के लिए

(iii) आत्मनिर्भर मनुष्य कैसा नहीं रहता है?

i. स्वावलम्बी
ii. स्वमुखापैक्षी
iii. परमुखापेक्षी
iv. नम्र

(iv) दब्बूपन का क्या दुष्परिणाम होता है?

i. मनुष्य को अपने पैरों पर खड़े होने की कला आ जाती है
ii. मनुष्य में विनम्रता आ जाती है
iii. वह अपने कार्य स्वयं करने लगता है
iv. वह त्वरित निर्णय नहीं ले सकता

(v) आत्ममर्यादित व्यक्ति कैसा होता है?

i. क्रोधी
ii. आत्मसंस्कारित
iii. दूसरों पर निर्भर
iv. अकर्मण्य

(vi) युवा को किस बात का ध्यान रखना चाहिए?

i. उसकी आकांक्षाएँ उसकी योग्यताओं से बढ़ी हुई हैं।
ii. उसकी आकांक्षाएँ उसकी योग्यताओं से बढ़ी हुई नहीं हैं।
iii. उसकी योग्यताएँ उसकी आकांक्षाओं से बढ़ी हुई हैं।
iv. उसकी योग्यताएँ उसकी आकांक्षाओं से बढ़ी हुई नहीं हैं।

(vii) **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-**

I. आत्ममर्यादा एक आवश्यक गुण है।
II. विनम्रता से ही स्वतंत्रता का महत्व है।
III. मनुष्य के लिए मर्यादा आवश्यक है।

उपरिलिखित कथनों में से कौन सही है/हैं ?

i. केवल I
ii. केवल III
iii. केवल II
iv. उपरोक्त सभी

(viii) **अवगुण** शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है-

i. अव
ii. गुण
iii. अ
iv. व

(ix) दब्बूपन व्यक्ति के विकास में बाधक है, कैसे?

i. क्योंकि उसका निर्णय स्थिर नहीं रह पाता।
ii. क्योंकि उसका निर्णय स्थिर हो जाता है।
iii. क्योंकि वह अपने निर्णय स्वयं लेता है।
iv. क्योंकि वह आत्मनिर्भर होता है।

(x) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।
कथन (A): हमें अपनी आत्मा को नम्र रखना चाहिए ।
कारण (R): अर्थात हमें दूसरों पर पूरी तरह आश्रित होना चाहिए ।

i. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
ii. कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।
iii. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
iv. कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

अरुण यह मधुमय देश हमारा।
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा।
सरस तामरस गर्भ विभा परं-नाच रही तरु शिखा मनोहर।
छिटका जीवन हरियाली पर-मंगल कुंकुम सारा।
लघु सुरधनु से पंख पसारे-शीतल मलय समीर सहारे।
उड़ते खग जिस ओर मुँह किये-समझ नीड़ निज प्यारा।
बरसाती आँखों के बादल-बनते जहाँ भरे करुणा जल।
लहरें टकराती अनंत की-पाकर जहाँ किनारा।

हेम-कुंभ ले उषा सवेरे-भरती ढुलकाती सुख मेरे।
मदिर ऊँघते रहते-जब-जगकर रजनी भर तारा।

(i) काव्यांश में किस देश का वर्णन है?

क) चीन का
ख) जापान का
ग) नेपाल का
घ) भारत का

(ii) **लघु सुरधनु से पंख पसारे** - पंक्ति में कौनसा अलंकार है?

क) रूपक
ख) उपमा
ग) उत्प्रेक्षा
घ) अनुप्रास

(iii) भारत में बादल कौनसा जल बरसाते हैं?

क) सत्य का
ख) परोपकार का
ग) असत्य का
घ) करुणा का

(iv) **उषा ने सूर्य-किरणों की रोली जीवन-जगत पर छिड़ककर मंगलकारी काम किया है** - आशय स्पष्ट करने वाली पंक्ति है-
कथन (I): मदिर ऊँघते रहते-जब-जगकर रजनी भर तारा।
कथन (II): हेम-कुंभ ले उषा सवेरे-भरती ढुलकाती सुख मेरे।
कथन (III): छिटका जीवन हरियाली पर-मंगल कुंकुम सारा।
कथन (IV): लहरें टकराती अनंत की-पाकर जहाँ किनारा।
निम्नलिखित विकल्पों पर विचार कीजिए तथा सही विकल्प चुनकर लिखिए।

क) केवल कथन (II) और (IV) सही हैं।
ख) केवल कथन (III) सही है।
ग) केवल कथन (II) और (III) सही हैं।
घ) केवल कथन (I) सही है।

(v) कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कॉलम 1	**कॉलम 2**
1. लघु सुरधनु से पंख पसारे	(i) मानवीकरण अलंकार
2. बरसाती आँखों के बादल बनते जहाँ भरे करुणा जल	(ii) उपमा अलंकार
3. मदिर ऊँघते रहते जब-जगकर रजनी भर तारा	(iii) रूपक अलंकार

क) 1-(i), 2-(iii), 3-(ii)
ख) 1-(i), 2-(ii), 3-(iii)

ग) 1-(ii), 2-(i), 3-(iii)

घ) 1-(ii), 2-(iii), 3-(i)

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए-** **[5]**

(i) टेलीफ़ोन, इंटरनेट, फ़ैक्स, समाचार-पत्र, रेडियो, टेलीविज़न, सिनेमा आदि विभिन्न माध्यम हैं- **[1]**

क) संचार के

ख) संचार और जनसंचार के

ग) इनमें से किसी के नहीं

घ) जनसंचार के

(ii) इनमें समाचार पत्र की आवाज किसे माना जाता है? **[1]**

क) स्तंभ लेखन

ख) संपादकीय

ग) संपादक के नाम पत्र

घ) फीचर

(iii) सरकार के कामकाज पर निगाह रखने वाली पत्रकारिता को कहते हैं: **[1]**

क) वॉचडॉग

ख) वैकल्पिक

ग) खोजपरक

घ) पेजथ्री

(iv) फीचर की कौन-सी विशेषता है? **[1]**

क) सभी

ख) आत्मनिष्ठ

ग) सृजनात्मक

घ) सुव्यवस्थित

(v) इनमें से कौन-सा शब्द क्रिकेट जगत का नहीं है? **[1]**

क) तेजड़िए

ख) स्पिन

ग) हिट विकेट

घ) रन

4. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

फिर हम परदे पर दिखलाएँगे
फूली हुई आँख की एक बड़ी तसवीर
बहुत बड़ी तसवीर
और उसके होंठों पर एक कसमसाहट भी
(आशा है आप उसे उसकी अपंगता की पीड़ा मानेंगे)
एक और कोशिश
दर्शक
धीरज रखिए

देखिए
हमें दोनों को एक संग रुलाने हैं

(i) **फूली हुई आँख की एक बड़ी तसवीर** -पंक्ति में निहित बिम्ब है-

क) दृश्य और श्रव्य दोनों　　ख) इनमें से कोई नहीं

ग) श्रव्य　　घ) दृश्य

(ii) काव्यांश में कोष्ठकों का प्रयोग करने के पीछे क्या उद्देश्य है?

क) काव्य का अर्थ स्पष्ट होना　　ख) भावों को स्पष्ट करना

ग) काव्य को समझना　　घ) सभी

(iii) काव्यांश में प्रयुक्त दो बिम्ब हैं-

क) फूली हुई आँख की बड़ी तसवीर और उसके होंठों पर एक कसमसाहट भी　　ख) धीरज रखिए और हमें दोनों को एक संग रुलाने हैं

ग) देखिए और हमें दोनों को एक संग रुलाने है　　घ) एक और कोशिश दर्शक और धीरज रखिए

(iv) काव्यांश किस भाषा में रचित है?

क) संस्कृत बोली　　ख) खड़ी बोली

ग) प्राकृत बोली　　घ) हिंदी बोली

(v) काव्यांश के कवि हैं-

क) रघुवीर सहाय　　ख) हरिवंश राय बच्चन

ग) कुँवर नारायण　　घ) आलोक धन्वा

5. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

फिर मेरी दृष्टि में आदर्श समाज क्या है? ठीक है, यदि ऐसा पूछेंगे, तो मेरा उत्तर होगा कि मेरा आदर्श समाज स्वतंत्रता, समता, भ्रातृता पर आधारित होगा? क्या यह ठीक नहीं है, भ्रातृता अर्थात भाईचारे में किसी को क्या आपत्ति हो सकती है? किसी भी आदर्श समाज में इतनी गतिशीलता होनी चाहिए जिससे कोई भी वांछित परिवर्तन समाज के एक छोर से दूसरे तक संचारित हो सके। ऐसे समाज के बहुविधि हितों में सबका भाग होना चाहिए तथा सबको उनकी रक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए। सामाजिक जीवन में अबाध संपर्क के अनेक साधन व अवसर उपलब्ध रहने चाहिए। तात्पर्य यह कि दूध-पानी के मिश्रण की तरह भाईचारे का यही वास्तविक रूप है, और इसी का दूसरा नाम लोकतंत्र है। (बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर)

(i) लेखक ने किन विशेषताओं को आदर्श समाज की धुरी माना हैं?

क) समता | ख) स्वतन्त्रता, समता, भाईचारा

ग) भाईचारा | घ) स्वतन्त्रता

(ii) भ्रातृता के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

क) परोपकार | ख) भाई-भाई

ग) बिना स्वार्थ के सामूहिक हितभाव | घ) एक-दूसरे का हित

(iii) अबाध संपर्क से लेखक का क्या अभिप्राय है?

क) बिना बाधा के संपर्क | ख) जुड़ना

ग) संपर्क करना | घ) बाधा रहित

(iv) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।
कथन (A): किसी भी आदर्श समाज में इतनी गतिशीलता होनी चाहिए जिससे कोई भी वांछित परिवर्तन समाज के एक छोर से दूसरे तक संचारित हो सके।
कारण (R): ऐसे समाज के बहुविधि हितों में सबका भाग होना चाहिए तथा सबको उनकी रक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए।

क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

ख) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

ग) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(v) गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
i. हमारा समाज समता और भाईचारे पर आधारित होना चाहिए।
ii. समाज के बहुविधि हितों में सबका भाग होना चाहिए।
iii. जाति-प्रथा एक हानिकारक प्रथा है।
उपरिलिखित कथनों में से कौन सही है/हैं?

क) ii और iii | ख) i और ii

ग) केवल iii | घ) केवल i

6. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर हेतु निर्देशानुसार सही विकल्प का चयन कीजिए-** **[10]**

(i) यशोधर बाबू के कितने बेटे थे? **[1]**

क) तीन
ख) एक
ग) दो
घ) चार

(ii) यशोधर पंत का बड़ा बेटा क्या करता है? **[1]**

क) शिक्षक
ख) साफ-सफाई
ग) समाजसेवा
घ) विज्ञापन कंपनी में नौकरी

(iii) यशोधर बाबू अपने परिवार को किसके संस्कारों में डालना चाहते थे? **[1]**

क) श्रीराम
ख) किशनदा
ग) जनार्दन जोशी
घ) भूषण

(iv) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए। **[1]**
कथन (A): यशोधर बाबू आधुनिकता और प्राचीनता में समन्वय स्थापित नहीं कर पाते।
कारण (R): अपनी मानसिकता के कारण यशोधर बाबू ऑफिस व घर, दोनों से बेगाने हो जाते हैं।

क) कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।
ख) कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।
ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(v) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:- **[1]**
कथन (I): पाठशाला जाने की बात लेखक ने सबसे पहले अपने पिता से कही।
कथन (II): अधिक कमाई करने के लिए लेखक के दादा जल्दी कोल्हू चलवाते थे।
कथन (III): सौंदलगेकर मराठी विषय के अध्यापक थे।
कथन (IV): लेखक को गणित पढ़ाने वाले अध्यापक मंत्री थे।
सही कथन/कथनों वाले विकल्प को चयनित कर लिखिए।

क) कथन (I), (II) तथा (III) सही हैं।
ख) कथन (II), (III) तथा (IV) सही हैं।
ग) कथन (I) तथा (II) सही हैं।
घ) कथन (II) तथा (III) सही हैं।

(vi) दादा राव सरकार का नाम सुनते ही उनसे मिलने क्यों चला गया? **[1]**

क) इनमें से कोई भी नहीं
ख) दादा ने राव सरकार से उधार ले रखा था
ग) दादा राव सरकार से डरता था
घ) राव सरकार गाँव के सम्मानित व्यक्ति थे

(vii) **जूझ** पाठ के आधार पर शर्त के अनुसार पाठशाला जाने से पहले लेखक को सवेरे कितने बजे तक खेत में काम करना होता था? **[1]**

क) 11 बजे तक
ख) 9 बजे तक
ग) 10 बजे तक
घ) 8 बजे तक

(viii) **अतीत में दबे पाँव** पाठ के आधार पर मेसोपोटामिया के शिलालेखों में मुअनजो-दड़ो के लिए किस शब्द का प्रयोग मिलता है? **[1]**

क) माकड
ख) मोहला
ग) मेलुहा
घ) मुदड़ा

(ix) **अतीत में दबे पाँव** पाठ के आधार पर मुअनजो-दड़ो के घरों में टहलते हुए लेखक को किस गाँव की याद आई? **[1]**

क) कुलघड़ा
ख) शुभधरा
ग) कुलधरा
घ) बुलधरा

(x) **अतीत में दबे पाँव** पाठ के आधार पर गढ़ के शहर छोटे टीलों पर बनी बस्तियों को क्या कहा जाता है? **[1]**

क) नीचा नगर
ख) छोटा टीला
ग) खुदा नगर
घ) टीला नगर

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

7. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लेख लिखिये:** **[6]**

(i) **साक्षरता और संचार-माध्यम** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए। **[6]**

(ii) **वनों का महत्त्व** विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

(iii) **कोविड टीकाकरण केंद्र का दृश्य** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए। **[6]**

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[4]**

(i) i. नाटक में संवाद की भूमिका पर प्रकाश डालिए। **[3]**

(ii) **अथवा**

i. इंटरनेट पत्रकारिता क्या है ? **[3]**

(iii) i. कहानी के तत्वों की पुष्टि करे। **[3]**

(iv) **अथवा**

i. बीट लेखन के समय संवाददाता को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ? **[3]**

9. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[6]**

(i) एक सफल साक्षात्कार के लिए साक्षात्कारकर्ता में किन गुणों का होना आवश्यक है? **[3]**

(ii) पत्रकारीय लेखन किसे कहते हैं? **[3]**

(iii) समाचार का इंट्रो लिखते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? **[3]**

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[6]**

(i) **आत्मपरिचय** में कवि के कथन **शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ** का विरोधाभास स्पष्ट कीजिए। **[3]**

(ii) **भाषा को सहूलियत** से बरतने से क्या अभिप्राय है? बात सीधी थी पर कविता के आधार पर बताइए। **[3]**

(iii) **लक्ष्मण-मूर्च्छा और राम का विलाप** काव्यांश में लक्ष्मण के प्रति राम के प्रेम के कौन-कौन से पहलू अभिव्यक्त हुए हैं? **[3]**

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[4]**

(i) फिराक की रुबाई में भाषा के विलक्षण प्रयोग किए गए है- स्पष्ट करें। **[2]**

(ii) **पतंग** कविता का प्रतिपाद्य बताइए। **[2]**

(iii) **उषा** कविता में **भोर के नभ** की तुलना किससे की गई है और क्यों? **[2]**

12. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[6]**

(i) **बाज़ार दर्शन** पाठ में बाज़ार जाने या न जाने के संदर्भ में मन की कई स्थितियों का ज़िक्र आया है। आप इन स्थितियों से जुड़े अपने अनुभवों का वर्णन कीजिए। **[3]**

i. मन खाली हो

ii. मन खाली न हो

iii. मन बंद हो

iv. मन में नकार हो

(ii) **काले मेघा पानी दे** के अनुसार लेखक किस विचारधारा को मानने वाला था? उस विचारधारा का उन पर क्या असर पड़ा? **[3]**

(iii) जैसे क्रिकेट की कमेंट्री की जाती है वैसे ही कुश्ती की कमेंट्री की गई है? आपको दोनों में क्या समानता और अंतर दिखाई पड़ता है? **[3]**

13. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[4]**

(i) भक्तिन को दुर्भाग्यवान क्यों कहा गया है? **[2]**

(ii) कारागार के नाम से भक्तिन पर क्या प्रभाव पड़ता था? वह जेल जाने के लिए क्यों तैयार हो गई? **[2]**

(iii) कबीर और कालिदास के बारे में लेखक **हजारी प्रसाद द्विवेदी** क्या बताता है? **[2]**

14. **निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए :-** **[4]**

(i) किशनदा का बुढ़ापा सुखी क्यों नहीं रहा? **सिल्वर वैडिंग** पाठ के सन्दर्भ में उत्तर दीजिए। **[2]**

(ii) श्री सौंदलगेकर के अध्यापन की उन विशेषताओं को रेखांकित करें जिन्होंने कविताओं के प्रति लेखक आनंद यादव के मन में रूचि जगाई। **[2]**

(iii) सिंधु घाटी के लोगों में कला या सुरुचि का महत्त्व अधिक था। उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। **[2]**

Solutions

खंड अ (वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
विद्वानों का यह कथन बहुत ठीक है कि विनम्रता के बिना स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं। इस बात को सब लोग मानते हैं कि आत्मसंस्कार के लिए थोड़ी-बहुत मानसिक स्वतंत्रता परमावश्यक है चाहे उस स्वतंत्रता में अभिमान और नम्रता दोनों का मेल हो और चाहे वह नम्रता ही से उत्पन्न हो। यह बात तो निश्चित है कि जो मनुष्य मर्यादापूर्वक जीवन व्यतीत करना चाहता है, उसके लिए वह गुण अनिवार्य है, जिससे आत्मनिर्भरता आती है और जिससे अपने पैरों के बल खड़ा होना आता है। युवा को यह सदा स्मरण रखना चाहिए कि वह बहुत कम बातें जानता है, अपने ही आदर्श से वह बहुत नीचे है और उसकी आकांक्षाएँ उसकी योग्यता से कहीं बढ़ी हुई हैं। उसे इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वह अपने बड़ों का सम्मान करे, छोटों और बराबर वालों से कोमलता का व्यवहार करें, ये बातें आत्ममर्यादा के लिए आवश्यक हैं। यह सारा संसार, जो कुछ हम हैं और जो कुछ हमारा है- हमारा शरीर, हमारी आत्मा, हमारे भोग, हमारे घर और बाहर की दशा, हमारे बहुत से अवगुण और थोड़े गुण सब इसी बात की आवश्यकता प्रकट करते हैं कि हमें अपनी आत्मा को नम्र रखना चाहिए नम्रता से मेंरा अभिप्राय दब्बूपन से नहीं है, जिसके कारण मनुष्य दूसरों का मुँह ताकता है जिससे उसका संकल्प क्षीण और उसकी प्रज्ञा मंद हो जाती है; जिसके कारण वह आगे बढ़ने के समय भी पीछे रहता है और अवसर पड़ने पर चट-पट किसी बात का निर्णय नहीं कर सकता। मनुष्य का बेड़ा उसके अपने ही हाथ में है, उसे वह चाहे जिधर ले जाए। सच्ची आत्मा वही हैं, जो प्रत्येक दशा में, प्रत्येक स्थिति के बीच अपनी राह आप निकालती हैं।

(i) (i) स्वतंत्रता का
(ii) (ii) आत्मसंस्कार के लिए
(iii) (iii) परमुखापेक्षी
(iv) (i) मनुष्य को अपने पैरों पर खड़े होने की कला आ जाती है
(v) (ii) आत्मसंस्कारित
(vi) (i) उसकी आकांक्षाएँ उसकी योग्यताओं से बढ़ी हुई हैं।
(vii) (iv) उपरोक्त सभी
(viii) (i) अव
(ix) (i) क्योंकि उसका निर्णय स्थिर नहीं रह पाता।
(x) (iv) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
अरुण यह मधुमय देश हमारा।
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा।
सरस तामरस गर्भ विभा परं-नाच रही तरु शिखा मनोहर।
छिटका जीवन हरियाली पर-मंगल कुंकुम सारा।
लघु सुरधनु से पंख पसारे-शीतल मलय समीर सहारे।

उड़ते खग जिस ओर मुँह किये-समझ नीड़ निज प्यारा।
बरसाती आँखों के बादल-बनते जहाँ भरे करुणा जल।
लहरें टकराती अनंत की-पाकर जहाँ किनारा।
हेम-कुंभ ले उषा सवेरे-भरती ढुलकाती सुख मेरे।
मदिर ऊँघते रहते-जब-जगकर रजनी भर तारा।

(i) **(घ)** भारत का
व्याख्या: भारत का
(ii) **(ख)** उपमा
व्याख्या: उपमा
(iii) **(घ)** करुणा का
व्याख्या: करुणा का
(iv) **(ख)** केवल कथन (III) सही है।
व्याख्या: केवल कथन (III) सही है।
(v) **(घ)** 1-(ii), 2-(iii), 3-(i)
व्याख्या: 1-(ii), 2-(iii), 3-(i)

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए-
(i) **(ख)** संचार और जनसंचार के
व्याख्या: संचार और जनसंचार के
(ii) **(ख)** संपादकीय
व्याख्या: संपादकीय
(iii) **(क)** वॉचडॉग
व्याख्या: वॉचडॉग
(iv) **(क)** सभी
व्याख्या: सभी
(v) **(क)** तेजड़िए
व्याख्या: तेजड़िए शब्द क्रिकेट जगत का नहीं है।

4. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
फिर हम परदे पर दिखलाएँगे
फूली हुई आँख की एक बड़ी तसवीर
बहुत बड़ी तसवीर
और उसके होंठों पर एक कसमसाहट भी
(आशा है आप उसे उसकी अपंगता की पीड़ा मानेंगे)
एक और कोशिश
दर्शक
धीरज रखिए

देखिए
हमें दोनों को एक संग रुलाने हैं

(i) **(घ)** दृश्य
व्याख्या: दृश्य

(ii) **(घ)** सभी
व्याख्या: सभी

(iii) **(क)** फूली हुई आँख की बड़ी तसवीर और उसके होंठों पर एक कसमसाहट भी
व्याख्या: फूली हुई आँख की बड़ी तसवीर और उसके होंठों पर एक कसमसाहट भी

(iv) **(ख)** खड़ी बोली
व्याख्या: खड़ी बोली

(v) **(क)** रघुवीर सहाय
व्याख्या: रघुवीर सहाय

5. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
फिर मेरी दृष्टि में आदर्श समाज क्या है? ठीक है, यदि ऐसा पूछेंगे, तो मेरा उत्तर होगा कि मेरा आदर्श समाज स्वतंत्रता, समता, भ्रातृता पर आधारित होगा? क्या यह ठीक नहीं है, भ्रातृता अर्थात भाईचारे में किसी को क्या आपत्ति हो सकती है? किसी भी आदर्श समाज में इतनी गतिशीलता होनी चाहिए जिससे कोई भी वांछित परिवर्तन समाज के एक छोर से दूसरे तक संचारित हो सके। ऐसे समाज के बहुविधि हितों में सबका भाग होना चाहिए तथा सबको उनकी रक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए। सामाजिक जीवन में अबाध संपर्क के अनेक साधन व अवसर उपलब्ध रहने चाहिए। तात्पर्य यह कि दूध-पानी के मिश्रण की तरह भाईचारे का यही वास्तविक रूप है, और इसी का दूसरा नाम लोकतंत्र है। (बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर)

(i) **(ख)** स्वतन्त्रता, समता, भाईचारा
व्याख्या: स्वतन्त्रता, समता, भाईचारा

(ii) **(ग)** बिना स्वार्थ के सामूहिक हितभाव
व्याख्या: बिना स्वार्थ के सामूहिक हितभाव

(iii) **(क)** बिना बाधा के संपर्क
व्याख्या: बिना बाधा के संपर्क

(iv) **(ख)** कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
व्याख्या: कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(v) **(ख)** i और ii
व्याख्या: i और ii

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर हेत् निर्देशानुसार सही विकल्प का चयन कीजिए-

(i) **(क)** तीन
व्याख्या: तीन

(ii) **(घ)** विज्ञापन कंपनी में नौकरी
व्याख्या: विज्ञापन कंपनी में नौकरी

(iii) **(ख)** किशनदा
व्याख्या: किशनदा

(iv) **(घ)** कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
व्याख्या: कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(v) **(ख)** कथन (II), (III) तथा (IV) सही हैं।
व्याख्या: कथन (II), (III) तथा (IV) सही हैं।

(vi) **(घ)** राव सरकार गाँव के सम्मानित व्यक्ति थे
व्याख्या: राव सरकार गाँव के सम्मानित व्यक्ति थे

(vii) **(क)** 11 बजे तक
व्याख्या: 11 बजे तक

(viii) **(ग)** मेलुहा
व्याख्या: मेसोपोटामिया के शिलालेखों में मुअनजो-दड़ो के लिए मेलुहा शब्द का प्रयोग किया गया है।

(ix) **(ग)** कुलधरा
व्याख्या: मुअनजो-दड़ो के घरों में टहलते हुए लेखक को कुलधरा की याद आई।

(x) **(क)** नीचा नगर
व्याख्या: गढ़ के शहर छोटे टीलों पर बनी बस्तियों को नीचा नगर कहा जाता है।

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लेख लिखिये:

(i) **साक्षरता और संचार-माध्यम**

भारत में प्राचीनकाल से ही मानव-मूल्यों के प्रचार-प्रसार की महान परंपरा रही है। मानव-विकास के सबसे महत्वपूर्ण घटक 'शिक्षा' के प्रसार में संत-महात्माओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने मौखिक तरीकों से सामाजिक परिवर्तन का प्रयास किया। इसी परंपरा में जनसंचार के लोकमाध्यम; जैसे-कठपुतली नृत्य, कथावाचन, लोकसंगीत, नौटंकी आदि, विकसित हुए जिन्होंने लोकशिक्षा का प्रसार किया। आज समाचार-पत्र, रेडियो, टी०वी०, सिनेमा, वीडियो आदि प्रचार के अत्याधुनिक माध्यम विकसित हो चुके हैं।

समाचार-पत्रों ने अपनी कुछ सीमाओं के बावजूद साक्षरता के प्रसार में बहुमूल्य योगदान दिया है। मनोरंजन से लेकर अनेक शिक्षाप्रद कथाओं, परिचर्चाओं, भेंटवार्ताओं एवं शिक्षा संबंधी योजनाओं की जानकारी जन-साधारण को देकर निरक्षरता के विरुद्ध लोगों में जागृति पैदा करते हैं। हालाँकि आकाशवाणी सहज, सुलभ व विस्तृत पहुँच के कारण सर्वाधिक लोकप्रिय रही है। साक्षरता को जन-अभियान बनाने तथा शिक्षा के महत्व का संदेश गाँव-गाँव, गली-गली पहुँचाने में रेडियो का योगदान सर्वविदित है।लेकिन अब इनके स्तर में भी गिरावट आई है, अब अखबार भी पूँजीवाद से ग्रस्त हो चुके हैं, अब वे आवश्यक समाचारों के अनावश्यक समाचार देते हैं, जो कुछ उपयोगी साबित नहीं होते।

गाँवों में आज भी स्थिति बेहद खराब है। वहाँ पर पारंपरिक संचार-माध्यमों के साथ आधुनिक संचार-माध्यमों का प्रभावशाली प्रयोग किया जा सकता है। इससे संचार-माध्यमों व आम लोगों के

बीच संचार-रिक्तता की स्थिति समाप्त हो जाएगी और साक्षरता का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

(ii) **वनों का महत्त्व**

वन हमारे जीवन के लिए बहुत उपयोगी हैं, किंतु सामान्य व्यक्ति इनके महत्व को समझ नहीं पाते। दैनिक जीवन में वनों का अत्यंत महत्त्वपूर्ण स्थान है। वृक्षों के अभाव में पर्यावरण शुष्क हो जाता है और प्रकृति का सौंदर्य नष्ट हो जाता है। वन हमारे वातावरण को संतुलित करते हैं, और हमें विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं से बचाते हैं।

वनों से हमें विभिन्न प्रकार की लकड़ियाँ; जैसे- इमारती लकड़ी, जलाने की लकड़ी, दवाई में प्रयोग होने वाली लकड़ी आदि प्राप्त होती हैं।

वृक्षों की लकड़ियाँ व्यापारिक दृष्टि से भी उपयोगी होती हैं। इनमें सागौन, देवदार, चीड़, शीशम, चंदन, आबनूस इत्यादि प्रमुख हैं। वनों से लकड़ी के अतिरिक्त अनेक उपयोगी वस्तुओं की प्राप्ति भी होती है, जिनका अनेक उद्योगों में कच्चे माल के रूप में उपयोग किया जाता है; जैसे- फर्नीचर उद्योग, औषधि उद्योग इत्यादि। वनों से हमें विभिन्न प्रकार के फल प्राप्त होते हैं, जो हमारा पोषण करते हैं।

वनों से हमें अनेक जड़ी-बूटियाँ प्राप्त होती है। वनों में अनेक पशु-पक्षी होते हैं; जैसे-हिरण, नीलगाय, भालू, शेर, चीता, बारहसिंगा आदि। ये पशु वनों में स्वतंत्र विचरण करते है, भोजन और संरक्षण पाते हैं। वन गाय, भैस, बकरी, भेड़ आदि पालतू पशुओं के लिए विशाल चरागाह प्रदान करते हैं।

भारतीय कृषि वर्षा पर निर्भर रहती है और वर्षा मानसून पर निर्भर है। वन मानसून को अपनी ओर आकृष्ट करते हैं और वर्षा से वन बढ़ते हैं।

वन वायु को शुद्ध करते है क्योकि वृक्ष कार्बन डाइऑक्साइड को ग्रहण करके ऑक्सीजन छोड़ते है, जिससे पर्यावरण शुद्ध होता है। वनों से वातावरण का तापक्रम, नमी और वायु प्रवाह नियमित होता है, जिससे जलवायु में संतुलन बना रहता है।

वनों के कारण वर्षा का जल मंद गति से बहता है, जिससे भूमि कटाव की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। साथ ही, पेड़-पौधों की जड़ें मिट्टी के कणों को सँभाले रहती हैं, जिससे भूमि कटाव नहीं होता। इससे भूमि ऊबड़-खाबड़ नहीं हो पाती और भूमि की उर्वरा शक्ति बनी रहती है। वनों का हमारे जीवन में योगदान स्पष्ट है। वन हमारे जीवन में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से बहुत उपयोगी हैं इसलिए वनों का संरक्षण और संवर्द्धन बहुत आवश्यक है और इनके नष्ट का खामियाजा हमें भुगतना पड़ेगा। आजकल हम वातावरण और जलवायु में निरंतर परिवर्तन देख रहे हैं, ये सब वनों के नष्ट होने के कारण ही हैं और अगर इस पर जल्द नियंत्रण न किया जाए तो आने वाले समय की स्थिति और भयावह हो जाएगी।

(iii) पिछले कुछ महीनों में, कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में वैक्सीनेशन का महत्वपूर्ण और महत्वपूर्ण भूमिका है। कोविड टीकाकरण केंद्र एक जगह है जहाँ लोगों को टीकाकरण प्रदान किया जाता है और उन्हें कोविड-19 से बचाव के लिए महत्वपूर्ण जानकारी और सुविधाएँ प्राप्त होती हैं। यह एक दृश्य है जो उम्मीद, संघर्ष और सहयोग का प्रतीक है। कोविड टीकाकरण केंद्र में आने वाले लोगों का मनोभाव आनंदमय होता है। यहाँ उन्हें एक ऐसा आत्मविश्वास मिलता है जो उन्हें आगे बढ़ने के लिए मजबूत बनाता है। टीकाकरण केंद्र आदर्श माहौल प्रदान करता है जहाँ स्वास्थ्यकर्मियों का सामरिक माहौल, नर्सिंग स्टाफ की देखभाल

और तत्परता द्वारा लोगों को आत्मनिर्भर और सुरक्षित महसूस कराता है। वैक्सीनेशन केंद्र की सुविधाएँ विशेष रूप से योजना और व्यवस्थापन के माध्यम से आदान-प्रदान की जाती हैं। यहाँ समय संबंधी समय-सारणी, निरीक्षण व्यवस्था और दूसरे सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए वैक्सीनेशन प्रक्रिया का आयोजन किया जाता है। इससे लोगों को सुगमता से टीकाकरण प्राप्त होता है और भीड़ का प्रबंधन भी सुगम होता है।
कोविड टीकाकरण केंद्रों में एक संगठनशील और समन्वित समूह कार्य करता है। स्वास्थ्यकर्मियों, चिकित्सा दल, अधिकारीगण और स्थानीय समुदाय के सदस्यों के सहयोग से यह संगठन सुनिश्चित करता है कि टीकाकरण प्रक्रिया अविरल हो और सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है। इसके अलावा, वैक्सीनेशन केंद्र जनता के सवालों और संदेहों का समाधान करने के लिए सक्रियता से काम करते हैं और संदेश पहुंचाने के लिए सामाजिक संचार के माध्यम का उपयोग करते हैं।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) i. संवाद नाटक का सर्वाधिक महत्वपूर्ण और सशक्त माध्यम है। नाटक में संवादों के बिना एक कदम भी बढ़ना मुश्किल है। नाटक के लिए तनाव, उत्सुकता, रहस्य, रोमांच और अंत में उपसंहार जैसे महत्त्वपूर्ण तत्व अनिवार्य हैं। इसी कारण नाटकों की कथावस्तु में आपस में विरोधी विचारधाराओं का संवाद ज़रूरी होता है। संवाद-शैली थोड़े शब्दों में बहुत कुछ कहने वाली होनी चाहिए। नाटककार नाटक के कथानक के माध्यम से जो कुछ भी कहना चाहता है उसे अपने चरित्रों और उनके बीच होने वाले संवादों से ही अभिव्यक्त करता है। अतः संवाद जितने ज्यादा सहज और स्वाभाविक होंगे, उतना ही प्रभावशाली होकर दर्शक के हृदय में स्थान बना सकेंगे।

(ii)

अथवा

i. इंटरनेट पर विभिन खबरों का आदान-प्रदान और अलग-अलग अखबारों का प्रकाशन ही इंटरनेट पत्रकारिता कहलाता है । इंटरनेट पत्रकारिता का आरंभ 1982 के आस-पास से हुआ है । भारत में इंटरनेट पत्रकारिता की शुरुआत लगभग 1993 से हुई । आज के समय में तमाम अखबार और पत्रिकायें हैं, जिन्हें हम इंटरनेट से आसानी से पा सकते हैं ।

(iii) i. आकार की लघुता, संवेदना की एकता, सत्य का आधार या कल्पना, रोचकता, मनोवैज्ञानिकता और सक्रियता, पत्रों की न्यूनता, स्म्क्लन्त्र्य (स्थान, काल और पात्र), जीवन की घटना अथवा स्थिति विशेष का मार्मिक चित्रण, य्थार्थ्यता, परिस्थिति की सरलता, उद्देश्य की स्पष्टता आदि कहानी की विशेषताएँ हैं। इन विशेषताओं के आधार पर कहानी के छह तत्व निर्धारित किए गए हैं - कथानक या कथावस्तु, पात्र तथा चरित्र- चित्रण, कथोपकथन, देश-काल-वातावरण, भाषा-शैली और उद्देश्य।

(iv)

अथवा

i. संवाददाता को बीट लेखन करते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए -
   i. बीट लेखन विशेष प्रकार की रिपोर्टिंग होती है जिसके अंतर्गत संवाददाता को संबंधित विषय की गहरी जानकारी होनी चाहिए।
   ii. रिपोर्टिंग से संबंधित विषय की तकनीकी भाषा -शैली पर भी उसका अधिकार होना चाहिए।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) एक अच्छे साक्षात्कारकर्ता में नम्रता, लेखन-शक्ति, जिज्ञासा, वाक्-योग्यता, भाषा पर अधिकार, तटस्थता, बातें निकालने की कला, सुनने को धैर्य, मनोविज्ञान का ज्ञान व व्यवहार कुशलता होनी चाहिए। वह जिस विषय पर साक्षात्कार लेने जा रहा है। उसकी गहरी समझ उसे होनी चाहिए। तभी वह साक्षात्कारदाता से विषयानुरूप प्रश्न पूछकर उपयोगी जानकारी संकलित कर पाएगा। साक्षात्कार में जीवंतता बनाए रखने के लिए साक्षात्कारकर्ता में बौद्धिक कुशलता व प्रत्युत्पन्नमति से तत्काल प्रश्न गढ़ने की कला होनी आवश्यक है। साक्षात्कार विषयेतर न हो इस हेतु साक्षात्कारकर्ता में साक्षात्कार को विषय पर केन्द्रित रखने की कला होनी चाहिए।

(ii) समाचार माध्यमों के लिए पत्रकारों द्वारा किया गया लेखन पत्रकारीय लेखन कहलाता है।

(iii) इंट्रो समाचार का प्रारम्भिक एवं महत्त्वपूर्ण भाग होता है, जिसमें समाचार का समस्त सूचनात्मक भाग निहित होता है। इंट्रो के बाद का भाग तो मात्र विस्तार के लिए ही होता है। अत: इण्ट्रो प्रभावोत्पादक होना चाहिए व क्या, कब, कौन, कहाँ के समस्त तथ्यों का समावेश इसमें होना चाहिए। भाषा सहज परन्तु प्रभावशाली होनी चाहिए।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) कवि का यह कथन कि वह शीतल वाणी में आग लिए घूम रहा है, विरोधाभास की स्थिति को उत्पन्न करता है। इसके पीछे यह रहस्य छिपा है कि जब कवि अपने संघर्षों को कविता का रूप देता है, तो वह शीतल वाणी बन जाती है, जबकि उसका मन दु:खों की अग्नि में जल रहा होता है। अपने दु:खों एवं विरोधों को कोमल शब्दों के माध्यम से कवि अपनी रचनाओं में व्यक्त करता है इसलिए उसकी शीतल वाणी भी असंतोष एवं व्याकुलता की आग से भरी हुई है।

(ii) **भाषा को सहूलियत** से बरतने का आशय है- सीधी, सरल एवं सटीक भाषा के प्रयोग से है। भाव के अनुसार उपयुक्त भाषा का प्रयोग करने वाले लोग ही बात के धनी माने जाते हैं। आडंबर रहित, सरलता और बिना किसी लाग -लपेट के कही गयी बात श्रोताओं एवं पाठकों दोनों को प्रभावित करने में सफल होती है।

(iii) 'लक्ष्मण-मूच्छा और राम का विलाप' कविता में लक्ष्मण के प्रति श्रीराम के प्रेम की अत्यंत ही हृदयस्पर्शी अभिव्यक्ति हुई है। यहाँ श्रीराम का मानवीय रूप दिखाई देता है। वे साधारण मानव की तरह अधीर होते हैं तथा कहते हैं कि उन्हें यदि ज्ञात होता कि वन में भाई का विछोह होगा, तो वे पिता को दिए गए वचन का भी पालन नहीं करते। वे कहते हैं कि संसार में पुत्र, स्त्री आदि तो एक से अधिक बार मिल जाते हैं, परंतु सहोदर भाई पुनः नहीं मिलता। वे कहते हैं कि लक्ष्मण के बिना वे कौन-सा मुँह लेकर अयोध्या वापिस जाएँगे? इन पंक्तियों में श्रीराम की आंतरिक व्यथा का मर्मस्पर्शी चित्रण हुआ है।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) कवि की भाषा तो उर्दू है, पर उन्होंने हिंदी व लोकभाषा का भी प्रयोग किया है। उनकी रचनाओं में हिंदी, उर्दू व लोकभाषा के मिश्रण के विलक्षण प्रयोग हैं ऐसी ही भाषा गाँधी जी हिंदुस्तानी के रूप में पल्लवित करना चाहते थे। ये विलक्षण प्रयोग हैं - लोका देना, घुटनियों कपड़े पिन्हाना, गेसुओं में कंघी करना, रूपवती मुखड़ा, नर्म दमक, जिदयाया बालक, रस की पुतली। माँ हाथ में

आइना देकर बच्चे को बहला रही है-
देख आईने में चाँद उतर आया है।
चाँद की परछाई भी चाँद ही हैं।

(ii) इस कविता में कवि ने बालसुलभ इच्छाओं व उमंगो का सुंदर वर्णन किया है। पतंग बच्चों की उमंग व उल्लास के रंग-बिरंगा सपनों का प्रतीक है। शरद ऋतु में मौसम सुहावना और आकाश साफ़ हो जाता है। चमकीली धूप बच्चों को आकर्षित करती है। वे इस मनोरम मौसम में पतंगे उड़ाते हैं। आसमान में उड़ती हुई पतंगों को उनका बालमन छूना चाहता है। उनके पीछे भागते-दौड़ते बच्चे गिर-गिर कर भी सँभलते हैं। पतंगों के लिए दौड़ते हुये बच्चों के कोलाहल से चारों दिशाएँ मानो मृदंग की आवाज़ से गुंजित हो जाती हैं, उनकी कल्पनाएँ पतंगों के सहारे आसमान को पार करना चाहती हैं। प्रकृति भी उनका सहयोग करती है, तितलियाँ उनके सपनों को रंगीला बनाती है।

(iii) उषा कविता में प्रातः कालीन नभ की तुलना राख से लीपे गए गीले चौके से की है। इस समय आकाश नम एवं धुँधला होता है। इसका रंग राख से लीपे चूल्हे जैसा मटमैला होता है। जिस प्रकार चूल्हा-चौका सूख कर साफ़ हो जाता है उसी प्रकार कुछ देर बाद आकाश भी स्वच्छ एवं निर्मल हो जाता है।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i)
i. **मन खाली हो-** जब मुझे पता होता है कि मुझे कुछ नहीं खरीदना होता है, तो मैं बाज़ार से खाली हाथ ही आता हूँ। माँ ने एक बार मुझे लाल मिर्च लाने भेजा। उसके लिए हमारे यहाँ बुध बाज़ार लगता है। मैं अपने लोकल बाज़ार में गया मगर वहाँ लाल मिर्च नहीं मिली। उसके बाद में बुध बाज़ार भी गया। वहाँ जाकर मुझे लाल मिर्च मिली। जब मैं घर पहुँचा, तो पड़ोसी से पता चला कि वहाँ पर बड़े मज़ेदार खाने के स्टॉल लगे थे। लेकिन मुझे पता ही नहीं चला।
ii. **मन खाली न हो**- तो मैं कुछ न कुछ बाज़ार से जाकर ले आता हूँ। एक बार मैं बाज़ार में चॉकलेट खरीदने गया था। लेकिन जब वापस आया तो अपने साथ चॉकलेट, टॉफी, आइसक्रीम, रोल, चाउमीन इत्यादि उठा लाया। इसका परिणाम यह हुआ कि मैं सब खा नहीं पाया और माँ से मार पड़ी अलग।
iii. **मन बंद हो**- मेरा मन बंद होता है, तो मैं किसी चीज़ की तरफ़ आकर्षित नहीं होता हूँ। ऐसा तब हुआ था, जब मैं माँ के साथ बाज़ार गया था। माँ मुझे जन्मदिन का उपहार दिलाना चाहती थी लेकिन मैंने लेने से इंकार कर दिया। मैं बिना कुछ लिए यूँहीं घर चला आया।
iv. **मन में नकार हो-** एक बार मेरे पड़ोसी ने मुझे नकली वस्तुओं के बारे में कुछ इस तरह समझाया कि मेरे मन में वस्तुओं के प्रति एक प्रकार की नकारत्मकता आ गई मुझे बाज़ार की सभी वस्तुएँ में हमें कोई न कोई कमी दिखाई देने लगी। मुझे लगा जैसे सारी वस्तुएँ अपने मापदंडों पर खरी नहीं है।

(ii) लेखक आर्य समाजी विचारधारा को मानने वाला था। आर्यसमाजी अंधविश्वासों पर सीधा प्रहार करते हैं। लेखक 'कुमार - सुधार सभा' का उपमंत्री था | यह संस्था किशोरों को जाग्रत करती थी । इस कारण वह इंदर सेना द्वारा पानी माँगने को अंधविश्वास समझता था। लेखक अंधविश्वासों के विरुद्ध लोगों को सजग करता था। लेखक का मानना था यदि इंद्र महाराज से इंदर सेना पानी दिलवा सकती है, तो खुद अपने लिए पानी क्यों नहीं माँग सकती। इस अंधविश्वास के कारण ही ये

सभी मुहल्लों का पानी नष्ट करवाते फिर रहे हैं। इन्हीं अंधविश्वासों ने हमें अंग्रेज़ों का गुलाम बना दिया था। अतः लेखक अंधविश्वासों के विरुद्ध ही रहा करता था।

(iii) i. क्रिकेट में बल्लेबाज, क्षेत्ररक्षण व गेंदबाजी का वर्णन होता है, जबकि कुश्ती में दाँव-पेंच का।
ii. क्रिकेट में स्कोर बताया जाता है, जबकि कुश्ती में चित या पट का।
iii. कुश्ती में प्रशिक्षित कमेंटेटर निश्चित नहीं होते, जबकि क्रिकेट में प्रशिक्षित कमेंटेटर होते हैं।
iv. क्रिकेट की कमेंट्री से खिलाड़ी में उमंग एवं जोश पैदा होता है,दुसरी ओर कुश्ती की कमेंट्री पहलवान में वीरता भरती है। वह दांवपेच बदलकर प्रतिरोधी को हराता है।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) भक्तिन के जीवन में शुरू से ही दुःखों ने डेरा डाला हुआ था। मायके में उसे विमाता (सौतेली माँ) ने विपरीत परिस्थितियों में डाले रखा। विवाह के बाद उसने तीन बेटियों को जन्म दिया, जिसके कारण ससुराल में सास तथा जिठानियाँ उसके साथ बुरा व्यवहार करती थीं। 36 वर्ष की आयु में पति का भी देहांत हो गया, जिसके कारण ससुराल वालों ने उससे धन-संपत्ति छीनने की कोशिश की, पर वह संघर्ष करती रही। बड़े दामाद को उसने घरजमाई बनाया था, परंतु वह भी शीघ्र ही मृत्यु को प्राप्त हो गया। इस प्रकार उसका संपूर्ण जीवन दुःखों से ही घिरा रहा।

(ii) कारागार के नाम से भक्तिन को बहुत भय लगता था। वह उसे यमलोक के समान समझती थी। कारागार की ऊँची दीवारों को देखकर कर चकरा जाती थी। जब उसे पता चला कि महादेवी जेल जा रही हैं तो वह भी उनके साथ जेल जाने के लिए तैयार हो जाती है। वह महादेवी के बिना अलग रहने की कल्पना मात्र से परेशान हो उठती थी।

(iii) कबीर और कालिदास के बारे में लेखक बताता है कि कबीर मस्त और बेपरवाह होते हुए भी सरसता और मादकता से युक्त थे। कालिदास भी उनकी तरह ही अनासक्त योगी थे, इसी कारण वे मेघदूत काव्य का निर्माण कर सके।

14. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए :-

(i) बाल-जती किशनदा का बुढ़ापा सुखी नहीं रहा। उनके तमाम साथियों ने हौजखास, ग्रीनपार्क, कैलाश कहीं-न-कहीं ज़मीन ली, मकान बनवाया, लेकिन उन्होंने कभी इस ओर ध्यान ही नहीं दिया। रिटायर होने के छह महीने बाद जब उन्हें क्वार्टर खाली करना पड़ा तब उनके द्वारा उपकृत लोगों में से एक ने भी उन्हें अपने यहाँ रखने की पेशकश नहीं की। स्वयं यशोधर बाबू उनके सामने ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं रख पाए क्योंकि उस समय तक उनकी शादी हो चुकी थी और उनके दो कमरों के क्वार्टर में तीन परिवार रहा करते थे। किशनदा कुछ साल राजेंद्र नगर में किराए का क्वार्टर लेकर रहे और फिर अपने गाँव लौट गए जहाँ साल भर बाद उनकी मृत्यु हो गई। बुढ़ापे में उनकी देखभाल के लिए नहीं कोई नहीं था। विचित्र बात यह है कि उन्हें कोई भी बीमारी नहीं हुई। बस रिटायर होने के बाद मुरझाते-सूखते ही चले गए। अकेलेपन ने उनके अंदर की जीवनशक्ति को समाप्त कर दिया था।

(ii) मास्टर सौंदलगेकर कुशल अध्यापक, मराठी भाषा के ज्ञाता व कवि थे। वे सुरीले ढंग से स्वयं की व दूसरों की कविताएँ गाते थे। पुरानी-नयी मराठी कविताओं के साथ-साथ उन्हें अनेक अंग्रेजी कविताएँ भी कंठस्थ थीं। पहले वे एकाध गाकर सुनाते थे - फिर बैठे-बैठे अभिनय के साथ कविता का भाव ग्रहण कराते। वे अन्य कवियों से जुड़े संस्मरण सुनाते। बीच -बीच में अपनी

कविताएँ भी पूरे हाव-भाव के साथ इतनी तन्मयता से सुनाते थे कि लेखक भावविभोर हो जाता था। आनन्दा को कविता या तुकबन्दी लिखने के प्रारम्भिक काल में उन्होंने उसका मार्गदर्शन व सुधार किया, उन्हें अलंकार छंद का ज्ञान कराया। अलग-अलग कविता संग्रह देकर काव्य विधा से परिचित कराया तथा साथ ही साथ उसे यह विश्वास दिलाया की कवि भी साधारण मनुष्य के जैसा होता है। इस प्रकार उसका आत्मविश्वास बढ़ाया जिससे वह धीरे-धीरे कविताएँ लिखने में कुशल होकर प्रतिष्ठित कवि बन गया।

(iii) सिंधु घाटी सभ्यता के लोगों में उत्कृष्ट कलात्मक अभिरुचि थी। यहाँ के लोगों के दैनिक प्रयोग की वस्तुओं में भी कलात्मकता दिखाई देती है। यहाँ की वास्तुकला तथा नियोजन, धातु व पत्थर की मूर्तियाँ, केश-विन्यास, आभूषण, बर्तनों पर उभारे गए चित्र, मुहरों पर उत्कीर्ण आकृतियाँ, खिलौने, सुघड़ लिपि आदि सिंधु घाटी के लोगो के सौंदर्यबोध और कलात्मक रुचि को प्रकट करती हैं। वस्तुओं के प्राकृतिक या नैसर्गिक सौंदर्य को अधिक महत्त्व दिया गया था। सामूहिकता एवं सामाजिकता का पक्ष इस सभ्यता के लोगों के लिए प्राथमिकता थी। इस सभ्यता में राजमहलों, मंदिरों, समाधियों के अवशेष नहीं मिलते। ऐसी कोई मूर्ति उपलब्ध नहीं हुई, जिसमें विशालता एवं भव्यता व्याप्त हो या दिखावे का तेवर हो। इसका आशय यह है कि यह सभ्यता राजपोषित या धर्मपोषित न होकर समाजपोषित थी।